डालर 102.90 मुद्रा दरें 101.11

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदैव सच के साथ..

समाज का साथी

samaj.ka.sathi@gmail.com

(वर्ष-10 अंक-1)

पृष्ठ -4 मूल्य : 2.00 रु.

सोमवार 01 जुलाई-2024

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंदर के पेज पर

भारतीय टीम ने जीता टी 20 वर्ल्ड कप गेंदबाजों को यूपी पुलिस ने ठहराया दोषी

घंटाघर के होटलों में हो रहे 'कांड

बंगाल : दिनाजपुर में महिला की बेरहमी से सरेआम पिटाई, ममता सरकार घेरे में

बंगाल। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक विचलित करने का वीडियो प्रसारित हुआ। इस वीडियो में, एक व्यक्ति सार्वजनिक रूप से बांस की डंडियों से एक महिला को बड़ी बेरहमी से मारते हुए दिखाई दे रहा है। इससे भी ज्यादा विचलित करने वाला दृश्य यह था कि घटनास्थल पर मौजूद लोगों में से किसी ने भी बीच बचाव करने की कोशिश नहीं की। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होते ही राज्य की ममता बनर्जी सरकार एक बार फिर विवादों में घिर गयी है।

भाजपा के अमित मालवीय और सीपीआई (एम) के मोहम्मद सलीम सहित राजनीतिक हस्तियों ने इस वायरल वीडियो की निंदा करते हुए ममता सरकार पर निशाना साधा है। अमित मालवीय ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, %पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के शासन का यह घिनौना चेहरा है। वीडियो में जो व्यक्ति एक महिला को बेरहमी से पीट रहा है, उसका नाम तजमुल (इलाके में जेसीबी के नाम से मशहूर) है। वह अपनी 'इंसाफ' सभा के जरिए त्वरित न्याय देने के लिए मशहूर है और चोपड़ा विधायक हमीदुर रहमान का करीबी सहयोगी है।बंगाल की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए मालवीय ने आगे लिखा, भारत को टीएमसी द्वारा संचालित पश्चिम बंगाल में शरिया अदालतों की वास्तविकता से अवगत होना चाहिए। हर गांव में एक ससंदेशखाली है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए अभिशाप हैं। उन्होंने लिखा, बंगाल में कानून-व्यवस्था का नामोनिशान नहीं है। क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या शेख शाहजहां की तरह उसका बचाव करेंगी? स्थान - लक्ष्मीकांतपुर, चोपड़ा, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल।

बिहार के बाद अब झारखंड में जमींदोज हुआ निर्माणाधीन पुल

झारखंड। बिहार के बाद अब झारखंड में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है। यह पुल गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बना रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार देर रात को हुई बारिश के बाद पुल का पिलर धंस गया था, जिसकी वजह से गर्डर टूटा और पुल जमींदोज हो गया। जानकारी के लिए बता दें कि इस पुल का निर्माण पथ निर्माण विभाग द्वारा साढ़े पांच करोड़ की लागत से करवाया जा रहा था।गिरिडीह से सड़क निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता विनय कुमार ने बताया, पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है। शनिवार रात भारी बारिश के कारण पुल का सिंगल-स्पैन गर्डर गिर गया और एक पिलर झुक गया। ठेकेदार को उस हिस्से को दोबारा बनाने के लिए कहा गया है।स्थानीय ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार की शाम को मूसलाधार बारिश की वजह से अरगा नदी का जलस्तर बढ़ गया था। रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया, जिसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गर्डर टूट कर नदी में गिर गया। स्थानीय ग्रामीणों ने एक अन्य पिलर के टेढ़े होने की भी जानकारी दी है। बता दें, ओम नमः शिवाय नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी को इस पुल को बनाने का ठेका मिला था। पहली बारिश भी नहीं झेल पाने की वजह से सरकार और कंपनी दोनों विवादों के घेरे में हैं।

बारिश की वजह से 11 लोगों की मौत, दिल्ली सरकार देगी 10 लाख मुआवजा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रविवार को 28 जून को हुई भारी बारिश के बाद डूबकर मारे गए सभी लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। बता दें, शुक्रवार को दिल्ली में रिकॉर्ड बारिश हुई थी, जिसकी वजह से राष्ट्रीय राजधानी के निचले हिस्सों में जलभराव हो गया और 11 लोगों की जान भी चली गई। इसके अलावा मौसम विभाग ने 2 जुलाई तक दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है।

मंत्री आतिशी ने एसीएस राजस्व को निर्देश दिया कि वे क्षेत्रीय अस्पतालों और दिल्ली पुलिस के सहयोग से जान गंवाने वालों की पहचान करें और उन्हें जीएनसीटीडी की ओर से तत्काल मुआवजा प्रदान करें। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में आतिशी ने लिखा, %28 जून को 24 घंटे में 228 मिमी की अत्यधिक बारिश के बाद कई मौतें हुई हैं। जिन लोगों की जान गई है, उनके परिवारों को ?10 लाख का मुआवजा दिया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि यह मुआवजा पीड़ित परिवारों तक शीघ्र पहुंचे।दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने रविवार को भारी बारिश से प्रभावित हुए इलाकों का दौरा किया और जल निकासी प्रणालियों का निरीक्षण किया। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को मानसून ने राष्ट्रीय राजधानी में दस्तक दी और इसकी पहली बारिश हुई।

सीएम योगी ने दिए निर्देश

कांवड़ यात्रा हो या मुहर्रम, आस्था का सम्मान नई परंपरा को अनुमति नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश वरिष्ठ अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की और अफसरों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दूसरे की धार्मिक भावना को आहत करने वालों के साथ कड़ाई से निपटें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी पर्व त्योहारों के दृष्टिगत सुदृढ़ कानून व्यवस्था तथा महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सफल आयोजन के संबंध में रविवार को शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पुलिस कमिश्नरों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों व पुलिस कप्तान गणों द्वारा की जा रही तैयारियों की समीक्षा की और व्यापक जनहित में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि आगामी 22 जुलाई से पवित्र श्रावण मास का प्रारंभ हो रहा है। इस अवधि में श्रावणी शिवरात्रि, नागपंचमी और रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। श्रावण मास में परंपरागत कांवड़ यात्रा निकलेगी। 07-09 जुलाई तक जगन्नाथ रथ यात्रा, 07-08 जुलाई से 17-18 जुलाई तक मोहर्रम, 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा का पावन अवसर है। बरसात का मौसम भी प्रारंभ हो रहा है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान का आयोजन भी होना है। स्पष्ट है कल से प्रारंभ हो रहा माह कानून व्यवस्था, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शिक्षा सहित अनेक दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है। हर किसी को सतर्क-सावधान रहने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पारंपरिक कांवड़ यात्रा की दृष्टि से उत्तराखण्ड की सीमा से लगे जनपद तथा गाजियाबाद, मेरठ, अयोध्या, बरेली, प्रयागराज, वाराणसी, बाराबंकी, बस्ती आदि जिले अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश के भीतर जिलों के बीच तथा सीमावर्ती जनपदों की दूसरे राज्यों के साथ स्थानीय प्रशासन सीमावर्ती राज्यों से सतत संवाद-संपर्क-समन्वय बनाये रखें। कांवड़ यात्रा आस्था के उत्साह का आयोजन है। परंपरागत रूप से नृत्य, गीत, संगीत इसका हिस्सा रहे हैं। यह सुनिश्चित करें कि डीजे, गीत-संगीत आदि की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप ही हो। डीजे की ऊंचाई एक तय सीमा से अधिक नहीं होनी चाहिए।

श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए कांवड़ यात्रा मार्ग पर कहीं भी खुले में मांस आदि का खरीद-बिक्री न हो। यात्रा मार्ग पर स्वच्छ्ता-सैनिटाइजेशन बनी रहे। स्ट्रीट लाइट की अच्छी व्यवस्था हो। कांवड़ शिविर लगाने वाली समितियों के सहयोग लें। यात्रा मार्गों को चिन्हित करते हुए भीड़ प्रबंधन, रूट डायवर्जन, पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों आदि की व्यवस्था समय से कर ली जाए। कांवड़ यात्रा के मार्ग पर जर्जर बिजली के खंभे, झूलते-लटकते बिजली के तार आदि प्रबंधन समय से कर लिया जाए। ताकि श्रद्धालुओं को समस्या न हो, किसी प्रकार की दुर्घटना की स्थिति न आए।श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रा के अतिरिक्त हर गांव, कस्बे, नगर में सोमवार को शिवालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन होता है। ऐसे में शिवालयों के आस-पास परिवेश स्वच्छ होना चाहिए। नालियां चोक न हों, उनकी साफ-सफाई समय से करा ली जाए। पंचायतीराज और नगर विकास विभाग द्वारा इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। प्रतिबंधित पॉलीथिन का प्रयोग कतई न हो, इसे सुनिश्चित किया जाए।

ताजिया से जुड़ी समितियों और पीस कमेटी के साथ समन्वय बनाएं

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि मोहर्रम जुलूस के दौरान निकलने वाली ताजिया से जुड़ी समितियों और पीस कमेटी के साथ स्थानीय प्रशासन द्वारा संवाद-समन्वय बनाया जाए। विगत वर्ष कुछ स्थानों पर दुर्घटनाएं घटित हुई थीं। उनसे सीख लेते हुये इस वर्ष सभी आवश्यक प्रबंध किए जाने चाहिए। ताजिया की ऊंचाई परंपरा के अनुरूप ही हो। दुर्घटना का कारक बनने वाले अनावश्यक रूप से ओवरसाइज ताजिया जुलूस में न शामिल हों। पर्व-त्योहार में प्रशासन द्वारा आम जन को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। धार्मिक परंपरा और आस्था को सम्मान दें, लेकिन परंपरा के विरुद्ध कोई कार्य न हो।

अमरनाथ यात्रा :जम्मू आधार शिविर से 6,600 से अधिक तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

नई दिल्ली। दक्षिण कश्मीर हिमालय स्थित गुफा मंदिर के लिए जम्मू में भगवती नगर आधार शिविर से 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना हुआ। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि 52 दिन की वार्षिक अमरनाथ यात्रा के पहले दिन, करीब 14,000 तीर्थयात्रियों ने 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए। यह यात्रा अनतंनाग में पहलगाम और गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग से शुरू हुई।रविवार तड़के तीन बजकर 50 मिनट और चार बजकर 45 मिनट के बीच दो समूहों में तीसरा जत्था 319 वाहनों पर सवार होकर निकला। तीसरे जत्थे में 1,141 महिलाएं भी हैं।अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्रियों के कश्मीर के लिए रवाना होने के समय जम्मू में बारिश हो रही थी। उन्होंने बताया कि 3,838 तीर्थयात्रियों ने पहलगाम मार्ग और 2,781 तीर्थयात्रियों ने बालटाल मार्ग से यात्रा करने का विकल्प चुना है।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 28 जून को पहले जत्थे को रवाना किया था और तब से कुल 13,103 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से कश्मीर घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। यह तीर्थयात्रा 19 अगस्त को संपन्न होगी। पिछले साल 4.5 लाख श्रद्धालुओं ने बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन किए थे।

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर लगाया बीजेपी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव कर रही : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के नेता ने रविवार को भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। इसी के साथ उन्होंने भाजपा पर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया।अखिलेश ने कहा, भाजपा आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम कर रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के परिवारों के साथ भेदभाव हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और यूपी से नियुक्त कुलपतियों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।यादव ने कहा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने 15त्न से भी कम पीडीए परिवारों को नौकरी दी है। मौजूदा सरकार आरक्षण के पक्ष में नहीं है।% उन्होंने कहा कि मंडल आयोग, राम मनोहर लोहिया, बाबासाहेब अंबेडकर और सुभाष चंद्र बोस पीडीए परिवारों के अधिकारों की रक्षा करना चाहते थे और भाजपा इसके खिलाफ काम कर रही है।

मन की उपज

जिसकी फितरत हमेशा बदलने की हो वह कभी किसी का नहीं हो सकता, चाहे वह समय हो या फिर इंसान

मोहम्मद वहीद

संपादक (समाज का साथी)

अपनी बात

लोकतंत्र की दरकार

देश में लंबे चले चुनाव अभियान और चुनाव परिणाम के बाद अस्तित्व में आयी 18वीं लोकसभा के पहले सत्र की शुरुआत हो चुकी है। राजग की लगातार तीसरी पारी गठबंधन सरकार के रूप में सामने आई है। निश्चित रूप से इस बार विपक्षी गठबंधन पिछले दशक के मुकाबले ज्यादा मजबूत बनकर उभरा है। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले राहुल गांधी का विपक्ष का नेता चुना जाना साफ बताता है कि आने वाले दिनों में राजग सरकार की राह आसान नहीं रहने वाली। इस संक्षिप्त सत्र के दूसरे दिन लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सत्ता-पक्ष व विपक्ष के बीच जो तनातनी सामने आई, वह पिछले सात दशकों के मुकाबले अभूतपूर्व है। विपक्ष एक ओर लोकसभा उपाध्यक्ष पद देने की मांग कर रहा था, तो सत्ता पक्ष ऐसा करने को तैयार नहीं था। जाहिर इस टकराव के बीच लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की स्थितियां बनी हैं। हालांकि, राजग सरकार के पास चुनाव पूर्व गठबंधन के चलते पूर्ण बहुमत है, लेकिन विपक्ष इस चुनाव को अपनी एकजुटता के रूप में एक प्रतीकात्मक दबाव के रूप में दिखाना चाहेगा। बहरहाल, बेहतर होता कि लोकसभा में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर चयन सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सहमति से होता। इसी तरह नवनिर्वाचित लोकसभा सदस्यों को शपथ दिलाने के लिये नियुक्त प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति को लेकर भी सत्ता पक्ष व विपक्ष में तनातनी देखी गई। वरिष्ठता के क्रम में इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस की दावेदारी की गई थी। बहरहाल, 18वीं लोकसभा की शुरुआत में ही पक्ष-विपक्ष के बीच तनातनी की शुरुआत स्वस्थ लोकतंत्र के लिये अच्छा संकेत तो कदापि नहीं है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि 17वीं लोकसभा के दौरान टकराव के चलते तमाम सत्रों में कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा। उल्लेखनीय है कि दिसंबर, 2023 में शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में घुसपैठ के मामले में बहस की मांग पर कथित दुर्व्यवहार हेतु 141 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। जिसमें 95 लोकसभा सदस्य थे।उम्मीद की जानी चाहिए 18वीं लोकसभा में वैसे दृश्य फिर न देखने को मिलें। जनता अपने प्रतिनिधियों को इस लिये चुनकर संसद में भेजती है ताकि वे उनके इलाके के विकास को नई दिशा दे सकें। लेकिन पहले दिन विपक्षी नेताओं द्वारा संसद में संविधान की प्रतियों के साथ एकजुटता दर्शाना और कतिपय सत्तारूढ़ दल के सांसदों के शपथ ग्रहण के दौरान नारेबाजी को देखकर लगता है कि विपक्ष ज्यादा मुखर होकर सरकार के लिये चुनौती पेश करता रहेगा। बहरहाल, किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सरकार सहमति से चले। साथ ही विपक्ष भी जिम्मेदार भूमिका में नजर आए। कुल मिलाकर हंगामे, बहिष्कार व नारेबाजी के बजाय रचनात्मक व गरिमामय भूमिका की दरकार है। स्वस्थ लोकतंत्र की दरकार है सरकार के निर्णयों में हर छोटे-बड़े राजनीतिक दल की भागीदारी हो। सत्तारूढ़ दल को भी इस बात का बखूबी अहसास होना चाहिए कि इस बार विपक्ष मजूबती के साथ लोकसभा में उपस्थित हुआ है। उसके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता है जैसा कि राजग सरकार के पिछले दो कार्यकालों में नजर आया था। ऐसे में राजग सरकार को विपक्षी सहयोग से सदन को चलाना होगा।

तीस्ता प्रबंधन के बहाने पेइचिंग का खेल

तीस्ता जल समझौते को अंतिम रूप देने का मामला जनवरी, 2011 से अधर में लटका पड़ा है। बांग्लादेश और भारत के बीच प्रधानमंत्री स्तर की बैठकों में इसकी चर्चा होती है, शीघ्र समापन के आश्वासन के साथ बात आई-गई हो जाती है। अनुरोध और आश्वासन का सिलसिला समाप्त नहीं हुआ। बजाय इसके, घोषणा यह की गई कि एक भारतीय तकनीकी टीम जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी, ताकि बांग्लादेश के अंदर 'तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन' पर चर्चा की जा सके। 'नदी संरक्षण और प्रबंधन' से भारत का क्या अभिप्राय था ? इस पर भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया, 'यह जल-बंटवारे के बारे में कम, बल्कि तीस्ता नदी के भीतर जल प्रवाह के प्रबंधन के बारे में अधिक है।'

कुल 315 किलोमीटर लंबी तीस्ता नदी सिक्किम, पश्चिम बंगाल से बहती हुई बांग्लादेश में प्रवेश करती है, और ब्रह्मपुत्र में समाहित हो जाती है। तीस्ता पर भारत-बांग्लादेश के बीच कब समझौता होगा, किस देश को कितना पानी मिलेगा ? फिलहाल यह साफ नहीं है। बांग्लादेश को 48 फीसदी तीस्ता का पानी चाहिए, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार की दलील है कि ऐसी स्थिति में उत्तर बंगाल के छह जिलों में सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो जाएगी। बंगाल इसके लिए जब तैयार नहीं है, तो फ़िर तीस्ता समझौता कैसे परवान चढ़ेगा ? इस सवाल का ठोस उत्तर देने से दिल्ली भी बच रहा है। शेख़ हसीना की हालिया दिल्ली यात्रा और उभयपक्षीय समझौतों से हम चाहे जितना खुश हो लें, लेकिन तीस्ता कहीं न कहीं कड़वाहट का कारण बन रहा है। बांग्लादेश में विपक्ष और वहां का मीडिया फुंका पड़ा है। उनका मानना है कि तीस्ता जल में हिस्सेदारी के बग़ैर सारे समझौते बेकार हैं।

तीस्ता जल समझौते को अंतिम रूप देने का मामला जनवरी, 2011 से अधर में लटका पड़ा है। बांग्लादेश और भारत के बीच प्रधानमंत्री स्तर की बैठकों में इसकी चर्चा होती है, शीघ्र समापन के आश्वासन के साथ बात आई-गई हो जाती है। अनुरोध और आश्वासन का सिलसिला समाप्त नहीं हुआ। बजाय इसके, घोषणा यह की गई कि एक भारतीय तकनीकी टीम जल्द ही बांग्लादेश का दौरा करेगी, ताकि बांग्लादेश के अंदर 'तीस्ता नदी के संरक्षण और प्रबंधन' पर चर्चा की जा सके। 'नदी संरक्षण और प्रबंधन' से भारत का क्या अभिप्राय था ? इस पर भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया, 'यह जल-बंटवारे के बारे में कम, बल्कि तीस्ता नदी के भीतर जल प्रवाह के प्रबंधन के बारे में अधिक है।' बांग्लादेश के विश्लेषक मानते हैं कि तीस्ता जल-बंटवारे पर चर्चा को हाशिये पर छोड़ दिया गया। वो पूछते हैं, क्या तीस्ता जल बंटवारे को जान-बूझकर विषय से बाहर किया गया है ? बांग्लादेश में तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और पुनरुद्धार परियोजना (टीआरसीएमआरपी) पर चर्चा पिछले कुछ वर्षों से चल रही है। तीस्ता जल धारा को फिर से बहाल करने की इस मेगा परियोजना को चीन की वित्तीय और तकनीकी सहायता से क्रियान्वित किया जाना है। 2016 से ही चीन और बांग्लादेश इस मामले पर चर्चा कर रहे हैं। चीन के कूद पड़ने से ऐसा लगता है कि इस परियोजना में दिलचस्पी लेना भारत की मज़बूरी बन चुकी है। सितंबर 2016 में, बांग्लादेश जल विकास बोर्ड ने उत्तरी बांग्लादेश के ग्रेटर रंगपुर क्षेत्र में तीस्ता को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए चीन के पावर कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन के साथ एक

'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए थे। बांग्लादेश को तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन परियोजना के लिए लगभग 987.27 मिलियन डॉलर की आवश्यकता है। दिखावे के तौर पर बांग्लादेश ने विश्व बैंक, जापान, और दूसरी अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग एजेंसियों से बात की। लेकिन बांग्लादेश जल संसाधन मंत्रालय के वरिष्ठ सचिव कबीर बिन अनवर ने जानकारी दी, कि चीन ने इस विशाल परियोजना की फंडिंग के वास्ते हामी भर दी है। तीस्ता बेसिन पर बसा रंगपुर से पंचगढ़ तक का इलाक़ा चीन के टारगेट में है, जहां उसे जल प्रबंधन के बहाने डाटा इकट्ठे करने हैं। बांग्लादेश का पंचगढ़ एक ऐसा सामरिक लोकेशन है, जो पूर्वोत्तर के चिकेन नेक (सिलीगुड़ी) से मात्र 67 किलोमीटर की दूरी पर है।

चिकेन नेक से लगे इलाके में चीनी कर्मियों की मौजूदगी सचमुच चिंता वाली बात है। तो क्या दिल्ली पर दबाव बनाने के वास्ते शेख़ हसीना यह खेल, खेल रही थीं ? शेख़ हसीना संभवत: 8 से 14 जुलाई के बीच पेइचिंग की यात्रा पर रहेंगी। 24 जून, 2024 को सीपीसी सेंट्रल कमेटी के नेता लियु चिएनचाओ इस सिलसिले में ढाका आये थे। उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद से ढाका-पेइचिंग डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, ब्रिक्स में बांग्लादेश को सदस्य बनाने, उभयपक्षीय व्यापार घाटे को दुरुस्त करने जैसे विषयों पर बात की, लेकिन तीस्ता पर अपडेट को लेकर किसी भी पक्ष ने मीडिया से सूचनाएं साझा नहीं कीं। अब जो दिल्ली में शेख़ हसीना की यात्रा को अभूतपूर्व उपलब्धि मान रहे थे, उन्हें इस पर ग़ौर करना चाहिए कि ढाका में चल क्या रहा है।बांग्लादेश का थिंक टैंक मानता है कि तीस्ता नदी पर भारतीय बैराज, इंफ्रा, जलविद्युत परियोजनाएं नदी के प्रवाह में बाधाएं पैदा करने के वास्ते हैं। उनको शक है कि भारत, तीस्ता के पानी के उचित हिस्से से बांग्लादेश को वंचित करने के उपक्रम में है। लेकिन वे चीन की प्लानिंग पर ग़ौर नहीं करते। पावर चाइना तीस्ता पर ड्रेजिंग और दोनों तरफ तटबंध बनाकर नदी की चौड़ाई को कम करने और उसकी गहराई बढ़ाने का प्रस्ताव दे चुका है। नदी के दोनों किनारों को पाटकर 170 वर्ग किलोमीटर भूमि को पुनः प्राप्त करना, उस भूमि पर आवास और औद्योगिक पार्क बनाना भी इस मेगा परियोजना का लक्ष्य है। वर्तमान में, तीस्ता नदी की अधिकतम चौड़ाई 5.1 किलोमीटर और औसत चौड़ाई 3.1 किलोमीटर है। टीआरसीएमआरपी परियोजना के तहत यह चौड़ाई घटाकर एक किलोमीटर कर दी जाएगी। इससे तीस्ता नदी के वेग और जल वहन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया स्थित कॉमनवेल्थ विश्वविद्यालय में भूविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान के प्रोफेसर डॉ. एमडी खलीकुज्जमां के एक अध्ययन के अनुसार, 'नदी का क्रॉस-सेक्शन कम होने के कारण नदी का वेग बढ़ जाएगा। नतीजतन, जब बरसात के मौसम में पानी का प्रवाह बहुत बढ़ जाता है, तो दोनों किनारों पर कटाव की प्रवृत्ति बढ़ जाएगी। नदी के दोनों किनारों पर तटबंधों के कारण तीस्ता की अधिकांश सहायक नदियां और वितरिकाएं मुख्य धारा से कट जाएंगी। इससे जलग्रहण क्षेत्र में भूजल स्तर कम हो जाएगा, जिससे पीने योग्य पानी और उथले ट्यूबवेल के माध्यम से खींचे जाने वाले सिंचाई के पानी की उपलब्धता कम हो जाएगी।' मालूम नहीं, शेख़ हसीना के सलाहकार इस तथ्य से कितना सरोकार रखते हैं।

तीस्ता नदी परियोजना के चक्कर में बांग्लादेश एक नाजुक कूटनीतिक दुविधा में फंस चुका है। शेख़ हसीना की चीन यात्रा में जो कुछ होने जा रहा है, वह भारत की भू-राजनीतिक व सुरक्षा जोखिमों के बारे में चिंताएं पैदा करता है।

अविरल यमुना दूर करेगी दिल्ली की प्यास

दिल्ली में यमुना नदी को नया जीवन देने के लिए नौ साल पहले राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण अर्थात ? एनजीटी ने एक आदेश दिया था कि नदी का जहां तक बहाव है, उसका सीमांकन किया जाए। हालांकि, यमुना द्वारा गर्मी में छोड़ी गई जमीन पर कब्जा करने में न सरकारी महकमे पीछे रहे और न ही भूमाफिया। इसके बाबत एक कमेटी भी बनी थी जिसे मौके पर जाकर उस स्थान तक चिन्हित करना था, जहां अपने सम्पूर्ण यौवन पर आने के दौरान नदी का अधिकतम विस्तार होता है।

कभी किसी ने नहीं जाना कि सावन-भादों में जब नदी उफान पर होती है तो उसे तसल्ली से बहने के लिए कितनी भूमि चाहिए। न ही कभी परवाह की गई कि नदी की गहराई कम होने से किस तरह समूचा जल-तंत्र गड़बड़ा रहा है। यह बात सरकारी दस्तावेजों में जरूर दर्ज है कि यमुना नदी के दिल्ली प्रवेश वजीराबाद बैराज से लेकर ओखला बैराज तक के 22 किलोमीटर में 9700 हेक्टेयर की कछार भूमि पर अब पक्के निर्माण हो चुके हैं। इसमें से 3638 हेक्टेयर को दिल्ली विकास प्राधिकरण खुद नियमित बना चुका है। इसके अलावा वैध-अवैध अतिक्रमण हर साल बढ़ रहे हैं।समझना होगा कि अरावली से चलकर नजफ़गढ़ झील में मिलने वाली सहाबी नदी और इस झील को यमुना से जोड़ने वाली नैसर्गिक नहर का नाला बनना हो या फिर सारे कालेखान के पास बारा पुला या फिर साकेत में खिड़की गांव का सात पुला या

फिर लोधी गार्डन की नहरें, असल में ये सभी यमुना में जब कभी क्षमता से अधिक पानी आ जाता तो उसे जोहड़-तालाब में सहेजने का जरिया थीं। शहर को चमकाने के नाम पर इन सभी सदियों पुरानी संरचनाओं को तबाह कर दिया गया। अब न बरसात का पानी तालाब में जाता है और न ही बरसात के दिनों में सड़कों पर जल जमाव रुक पाता है।एनजीटी हर साल आदेश देता है लेकिन सरकारी महकमे भी कागज की नाव चलाकर उन आदेशों को पानी में डुबो देते हैं। दिल्ली में अधिकांश जगह पक्की सड़क या गलियां हैं, यहां से बरसात के पानी को झील-तालाबों तक कम से कम हानि के ले जाना सरल है। दुर्भाग्य है कि इस शहर में बरसने वाले पानी का अस्सी फीसदी गंदे नालों के जरिए नदी तक पहुंचने में ही बर्बाद हो जाता है। नदी भी अपनी क्षमता से पचास फीसदी कम चौड़ी और गहरी रह गई है। इसमें बरसात के पानी से अधिक तो गंदा मल-जल और औद्योगिक कचरा आता है।यमुना की गहराई घटने का क्या दुष्परिणाम होता है उसके लिए वजीराबाद जल संयत्र का उदाहरण काफी है। यह संयंत्र वजीराबाद बैराज के पास बने जलाशय से पानी लेता है। जलाशय की गहराई 4.26 मीटर हुआ करती थी। लेकिन इसकी गाद को किसी ने साफ करने की सोची नहीं और अब इसमें महज एक मीटर से भी कम 0.42 मीटर जल-भराव क्षमता रह गई। तभी 134 एमजीडी क्षमता वाला संयंत्र आधा पानी भी नहीं निकाल पा रहा।आज दिल्ली पानी के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है लेकिन यह कोई तकनीकी और दूरगामी हल नहीं है। दिल्ली शहर के पास यमुना जैसे सदानीर नदी का 42 किलोमीटर लंबा हिस्सा है। इसके अलावा छह सौ से ज्यादा तालाब हैं जो कि बरसात की कम से कम मात्रा होने पर भी सारे साल महानगर का गला तर रखने में सक्षम हैं। यदि दिल्ली की सीमा में यमुना की सफाई के साथ-साथ गाद निकाल कर पूरी गहराई मिल जाए। इसके साथ ही सभी नाले गंदा पानी छोड़ना बंद कर दें तो महज 30 किलोमीटर नदी, जिसकी गहराई दो मीटर हो तो इसमें निर्मल जल साल भर रह सकता है। दिल्ली के हर घर को पर्याप्त जल मिल सकता है। विदित हो नदी का प्रवाह गर्मी में कम रहता है लेकिन यदि गहराई होगी तो पानी का स्थाई डेरा रहेगा।हरियाणा सरकार इस्राइल के साथ मिलकर यमुना के कायाकल्प की योजना बना रही है। इस दिशा में सिंचाई विभाग ने अपने सर्वे में पाया है कि यमुना में गंदगी के चलते दिल्ली में सात माह पानी की किल्लत रहती है। दिल्ली में यमुना, गंगा और भूजल से 1900 क्यूसेक पानी प्रतिदिन प्रयोग में लाया जाता है।सन ? 2019 में यमुना नदी के किनारों पर एक प्रयोग किया गया था। वहां गहरे गड्ढे बनाए गए थे ताकि जब पानी एकत्र हो तो इनके जरिए जमीन में समा जाये। इसके अच्छे परिणाम भी आए लेकिन फिर उस परियोजना में जमीन से अधिक कागज पर खतियां खोदी जाने लगीं।वैसे एनजीटी वर्ष 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर हर तरह के निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है। बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखान के पास कई अवैध निर्माण हो गए।जान लें कि जब यमुना अविरल बहेगी तो दिल्ली भी बचेगी। दिल्ली की प्यास और बाढ़ दोनों का निदान यमुना में ही है। नदी में पानी का रहना महज जल संकट का निदान ही नहीं है बल्कि जलवायु परिवर्तन की मार के चलते गर्मी, सर्दी और बारिश से जूझने का एकमात्र निदान भी नदी का साफ पानी से लबालब होना है।

आज का राशिफल 28 जून, 2024

मेष-आज निर्माण कार्य में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक यात्राएं करनी पड़ सकती है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान कम हो सकता है। व्यवसाय में धन उधार देने से बचें। नया काम शुरू करने में कठिनाई का अनुभव करेंगे।

वृष-आज बच्चों के करियर की चिंता हो सकती है। बुद्धिमान लोगों की संगत आपके लिए लाभकारी होगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता के बावजूद आप काफी प्रदर्शन करेंगे।

मिथुन-आज नया व्यवसाय शुरू करने के लिए दिन बेहद शुभ है। परिस्थितियां आपके पक्ष में होने की संभावना है। अधिकारी वर्ग के लोगों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा। आपकी छवि लोगों के बीच एक उदार और परोपकारी व्यक्ति के रूप में निर्मित होगी।

कर्क-आज आपका मन इधर-उधर की बातों में लगा रहेगा। लापरवाही के कारण आपके काम की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ सकता है। आत्मविश्वास में कमी महसूस होगी,किंतु आप अपने पुराने अनुभवों के आधार पर काम बना लेंगे।

सिंह-आज नई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभाल कर रखें। दूसरे लोगों पर ज्यादा निर्भर न रहें। आप अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। निकटस्थ लोगों को आपका व्यवहार व्यथित कर सकता है।

कन्या-आज पैतृक व्यवसाय में आय बढ़ेगी। पति-पत्नी एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करेंगे। परिवार में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। आप कारोबारी उद्देश्य से यात्रा कर सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें। पैरों में दर्द की शिकायत हो सकती है।

तुला-आज आपकी तर्क-शक्ति की लोग प्रशंसा करेंगे। इंटरव्यू आदि में सम्मिलित हो रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। कानूनी मामलों में आपको सफलता मिलेगी। आप किसी पुरानी समस्या का हल ढूंढ़ लेंगे। आप काफी ऊर्जावान महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक-आज भविष्य को लेकर योजना बनाते समय मित्रों और परिजनों से परामर्श लेना उत्तम होगा। धन से जुड़े मामलों की समस्या का समाधान होगा। उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश लेना चाह रहे हैं तो दिन काफी शुभ है।

धनु-आज सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। रियल एस्टेट से जुड़े कार्यों में सावधानी रखें। रक्तचाप के रोगियों को परेशानी होने की संभावना है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

मकर-आज आपको अपने खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। कई पुरानी यादें एकदम से आपके सामने उभर के आएंगी। अनुसंधान संबंधित कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं। प्रेम संबंधों के लिए दिन आपके लिए काफी अच्छा है। संतान के व्यवहार से प्रसन्नता होगी।

कुंभ-आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। व्यवसाय में विशेष लाभ होगा। आपको अपनी उपलब्धियों पर गर्व का अनुभव होगा। आप जिस काम को बहुत आसान समझते हैं, वही आपको काफी परेशान कर सकता है।

मीन-आज आपका सामाजिक दायरा बढ़ सकता है। घर में मेहमानों का आगमन होने से आप प्रसन्नता रहेंगे। व्यवसाय में आप बड़ा और साहसिक निर्णय ले सकते हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करेंगे।

कार्टून कोना

भारतीय टीम ने जीता टी 20 वर्ल्ड कप गेंदबाजों को यूपी पुलिस ने ठहराया दोषी

समाज का साथी

लखनऊ। टी 20 विश्व कप में 17 साल बाद भारत की जीत को लेकर पूरे देश में जश्न का माहौल है। हर भारतीय टीम इंडिया की जीत पर खुशी में डूबा नजर आ रहा है। लोग सोशल मीडिया पर भारतीय टीम को अलग-अलग अंदाज में टी 20 विश्व कप की बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई राजनेताओं और सेलेब्रिटियों ने टीम इंडिया को जीत की बधाई दी। वहीं इस बीच उत्तर प्रदेश पुलिस ने अनोखे तरीके से भारतीय टीम को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जीत की बधाई दी। साथ ही भारतीय टीम के गेंदबाजों को दोषी भी ठहराया है। जो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, यूपी पुलिस ने टी20 विश्व कप में भारत को मिली जीत पर टीम इंडिया को मजाकिया अंदाज में बधाई दी है। यूपी पुलिस ने लिखा कि भारतीय गेंदबाजों को दक्षिण अफ्रीका का दिल तोड़ने के लिए दोषी पाया गया है। साथ ही लिखा कि करोड़ों फैंस का लाइफलॉन्ग प्यार। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम ने 17 साल बाद टी20 वर्ड कप का खिताब जीता है। टीम इंडिया ने 176 रन बनाकर साउथ अफ्रीका को 177 रनों का लक्ष्य दिया था, लेकिन लक्ष्य का पीछा कर रही साउथ इंडिया टीम को भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 169 रनों पर ही चारों खाने चित कर दिया और वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

संक्षिप्त समाचार ....

आकाशीय बिजली गिरने से महिला समेत तीन लोगों की मौत, बालक की हालत गंभीर

फतेहपुर। गाजीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम देवलान में बकरी चराने गए लोगों पर बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। बालक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे ग्रामीणों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं किशुनपुर थाना क्षेत्र में बकरियां चराने गई महिला की बिजली गिरने से मौत हो गई। जाफरगंज थाना क्षेत्र में भी बिजली गिरने से दो भैंसों की मौत हो गई और चरवाहा बाल-बाल बच गया।

गाजीपुर थाना क्षेत्र के देवलान गांव निवासी कैलाश (40) पुत्र रामपाल और सीताराम (50) शुक्रवार को बकरियां चराने जंगल गए थे। वहीं शाम पांच बजे अचानक मौसम बिगड़ गया। जिसके चलते कैलाश व सीताराम पूर्व प्रधान रामसिंह कि यमुना बेल्ट पर महुआ के बाग में खड़े हो गए तथा वहीं एक छोटा बालक अमन (14) भी खड़ा हो गया। अचानक आकाश से इन तीनों पर बिजली गिरी जिससे कैलाश व सीताराम की मौके पर मौत हो गई और अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे गांव के लोगों ने इलाज के लिए सीएचसी गाजीपुर भेजा। जहां डाक्टर ने हालत गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। वहीं किशनपुर थाना क्षेत्र के झुरहापुर गांव में शुक्रवार की शाम करीब चार बजे के आसपास खेत में बकरी चराने गई महिला आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई।

दिव्यांग व महिला शिक्षकों ने लॉक किया स्कूल, मनचाहे स्कूलों में मिली तैनाती

गोंडा। 12460 शिक्षक भर्ती के तहत नियुक्त पत्र मिलने के बाद स्कूल आवंटन का इंतजार कर रहे शिक्षकों की मुराद बृहस्पतिवार को पूरी हो गयी। शासन के निर्देशन पर इन शिक्षकों को स्कूल आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी। पहले दिन दिव्यांग महिला व पुरुष तथा महिला शिक्षिकाओं को विकल्प के आधार पर स्कूल आवंटन किया गया। मनचाहे स्कूल में तैनाती पाकर शिक्षकों के चेहरे खिल उठे।12460 शिक्षक भर्ती के तहत पिछले वर्ष दिसंबर व इस वर्ष जनवरी महीने में काउंसलिंग करायी गयी थी। दो चरणों की काउंसलिंग के बाद 641 शिक्षकों का चयन किया गया था। सभी चयनित शिक्षकों को नियुक्ति पत्र भी जारी कर दिए गए थे लेकिन ऐन वक्त पर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था और शीर्ष अदालदत ने स्कूल आवंटन की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। इसके बाद से ही चयनित शिक्षक घर बैठे हुए थे। मई महीने में शीर्ष कोर्ट ने इस पर फैसला देते हुए चयनित शिक्षकों को कार्यभार ग्रहण कराने का आदेश दिया था इसके बाद सरकार ने इस पर कार्रवाई शुरू की थी। इस आदेश पर विभाग ने इन शिक्षकों इस निर्देश पर बृहस्पतिवार को चयनित शिक्षकों को स्कूल आवंटन की कार्रवाई शुरू की गयी। चयनित 641 शिक्षकों के सापेक्ष कुल 646 स्कूल खोले गए हैं इन्हीं स्कूलों में से शिक्षकों को विकल्प लेकर चयनित करना है। पहले दिन 21 दिव्यांग दिव्यांग व 50 महिला शिक्षिकाओं को बुलाया गया था। दोपहर बाद स्कूलों की सूची चस्पा हुई। इसके बाद शिक्षकों से विकल्प लेकर उन्हे स्कूल आवंटन किया गया। मनचाहे स्कूलों में तैनाती पाकर शिक्षकों के चेहरे खिल उठे। बीएसए प्रेमचंद यादव ने बताया कि पहले दिन 8 महिला दिव्यांग, 13 पुरुष दिव्यांग व चयनित सूची में शामिल ऊपर से 50 महिला शिक्षिकाओं को बुलाया गया था।

पिछड़े क्षेत्र अमांपुर को है विकास की दरकार

कासगंज। जिले की विधान सभा अमांपुर के विधायक ने लखनऊ मुख्यमंत्री कार्यालय पर सीएम से मुलाकात की। विधान सभा अमांपुर को पिछड़ा बताते हुए विकास की जरुरत बताई। विधायक ने मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव भी रखें। सीएम ने विधायक को विकास के प्रति भरोसा दिया है। अमांपुर के विधायक हरिओम वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अमांपुर विधानसभा क्षेत्र में बिजली-पानी, सड़क, खेल मैदान, रोजगार, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसी समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने विकास की बड़ी सौगात देने का वादा किया। विधायक हरिओम वर्मा ने बताया कि अपनी विधानसभा के अमांपुर क्षेत्र के एटा अमांपुर सहावर मार्ग में अवशेष भाग नगला गुलरिया से अमांपुर हेतु वित्तीय उपलब्धता करना बस स्टैंड, अमांपुर-मोहनपुर मार्ग का चौड़ीकरण, एटा अमांपुर सहावर मार्ग फारौली पुल से चांडी तक अवशेष भाग का चौड़ीकरण, नवीन स्टेडियम, स्वीकृत बिजलीघर का जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराया जाए व विभिन्न विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

शहर को बंदरों के आतंक से दिलाई जाएगी मुक्ति

कासगंज। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के स्थानीय जिलाप्रभारी ने नवागत डीएम से मुलाकात की, पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शहर की समस्याओं को बताते हुए निराकरण की दिशा में प्रभावी पहल करने की मांग की।

उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के जिलाप्रभारी दीपक गुप्ता ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर नवागत जिलाधिकारी मेधा रुपम से मुलाकात की। शिष्टाचार भेंट वार्ता के दौरान उन्होंने जिलाधिकारी को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शहर की समस्याओं को बिंदु वार बताते हुए उनकी समाधान की मांग की। उन्होंने जिलाधिकारी को बताया कि शहर में बंदरों का आतंक है।

आम लोग इस आतंक से परेशान रहते हैं। शहर को बंदरों के आतंक से मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने प्रभूपार्क के सौंदर्यीकरण एवं शहर के मुख्य बाजार में शौचालय बनाए जाने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि शहर के बाजार में शौचालय न होने से महिलाओं को दिक्कत होती है। यह प्रमुख समस्या है। इसका समाधान होना चाहिए। डीएम ने जिला प्रभारी को आश्वासत किया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में पांच वानरों की मौत

पोस्टमार्टम के बाद वन्य विभाग ने वानरों का कराया अंतिम संस्कार

लखनऊ/मलिहाबाद। मलिहाबाद कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत वन्यरेंज में पांच वानरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंची वन विभाग टीम ने वानरों के शव को पोस्टमार्टम के लिए लिए भेज दिया है। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लिहाजा, विसरा सुरक्षित रखा गया है। पोस्टमार्टम के बाद वनविभाग ने वानरों का अंतिम संस्कार कर दिया है। दरअसल, शनिवार को महमूदनगर गांव से बड़ीगढ़ी जाने वाले संपर्क पर ग्रामीणों ने पांच वानरों को मृत अवस्था में देख फौरन पुलिस कंट्रोल रूम के अलावा वन विभाग को सूचना दी। जानकारी मिलते ही संयुक्त टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई। इसके बाद वन्य विभाग ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य एकत्र कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी नीरज गुप्ता ने बताया कि वानरों का पोस्टमार्टम कराया गया है।

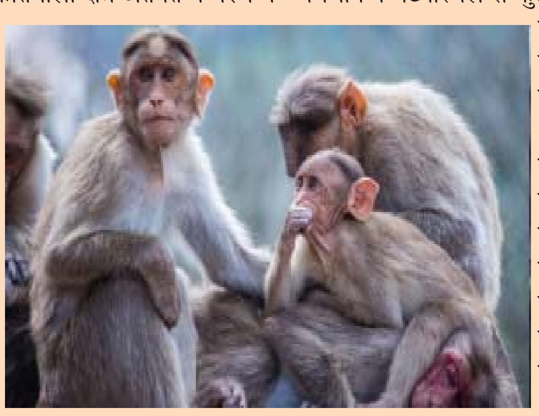

पांचों वन्य जीव बंदर एक ही परिवार के थे। पोस्टमार्टम के समय सभी के शरीर नीले रंग के हो गये थे। मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लिहाजा विसरा सुरक्षित रखा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। रेंजर सोनम दीक्षित ने बताया कि वन्य जीव बंदरों का पीएम कराने के बाद उनके शवों का अन्तिम संस्कार कर दिया गया है। हालांकि, ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि वानरों को खाद्य पदार्थ में विषैला पदार्थ मिलाकर उनकी हत्या कर दी गई है। जिनसे एक ही कुनबे के पांच वानरों की मौत हो गई। वानरों की मौत से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है।

पुलिस कस्टडी से लुटेरा फरार, सिपाहियों पर गिरी गाज

लखनऊ। लूट के आरोप में पकड़ गया लुटेरा लवकुश तिवारी उर्फ लकी रविवार दोपहर सिपाहियों को चकमा देकर चलती बाइक से फरार है। शनिवार रात दुबग्गा पुलिस ने लुटेरे को गिरफ्तार किया था। वहीं, इस घटना के बाद आलाधिकारियों ने लापरवाह सिपाहियों के खिलाफ वजीरगंज कोतवाली एफआईआर दर्ज कर उन्हें सस्पेंड कर दिया। इसके अलावा सिपाहियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। हालांकि, लुटेरे की तलाश में पुलिस की तीन टीमें दबिश दे रही हैं। गौरतलब है कि 29 जून को खदरा निवासी अमान अहमद कार से अपनी महिला मित्र के साथ घुमने निकले थे। जॉगर्स पार्क के पास उनकी कार का पहिया एक गड्ढे में धस गया था। जिसके कार वहां फंस गई थी। इसी बीच दुबग्गा का बेगरिया निवासी लवकुश तिवारी उर्फ लकी बाइक से अमान की महिला मित्र के गले से चेन छीनकर भाग निकला था। इसके बाद अमान ने लुटेरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शनिवार रात पुलिस ने लुटेरे लवकुश तिवारी को धर दबोचा था। डीसीपी पश्चिम डॉ. दुर्गेश कुमार ने बताया कि रविवार सुबह थाने में तैनात सिपाही प्रशांत मिश्र व अमित सोनकर लुटेरे का मेडिकल परीक्षण करवा बाइक में बैठ कोर्ट लेकर जा रहे थे। डालीगंज पुल के पास लुटेरा लघुशंका का बहाना बनाने लगा। मौका पाते ही लुटेरा सिपाहियों को धक्का देकर वहां चंपत हो गया।

स्कूलों में मनाया जाएगा बच्चों का जन्मदिन

समाज का साथी

कानपुर। परिषदीय स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था दुरुस्त करने के साथ बच्चों का पंजीयन व उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। शिक्षक नियमित रूप से अभिभावकों से संवाद कर रहे हैं।

माह में एक बार होने वाली बैठक में भी उन्हें बुलाया जा रहा है। बच्चों का विद्यालय से जुड़ाव बढ़ाने के लिए अब उनका जन्मदिन भी मनाया जाएगा। यह आयोजन प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को होगा। उस दिन उस माह में जन्म लेने वाले सभी बच्चों का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। बच्चों के माता-पिता को भी आमंत्रित किया जाएगा। यह सब बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत ग्रीष्मावकाश तथा शीतकालीन अवकाश में घर पर सीखने की क्षमता बढ़ाने के लिए भी बच्चों को गृह कार्य दिए जाएंगे। आवश्यकता के अनुसार प्रोजेक्ट कार्य भी कराने होंगे। बीएसए के अनुसार बच्चों की नियमित उपस्थिति स्कूलों में बढ़ने पर ही शैक्षिक स्तर बढ़ेगा।

निजी स्कूलों की तरह प्रत्येक विद्यालय वार्षिक उत्सव, बच्चों का जन्मदिन मनाने के साथ साथ छात्रों को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। नए सत्र में अभिभावक शिक्षक बैठक में नियमित उपस्थित होने वाले बच्चों के अभिभावकों की विशेष रूप से सराहना की जायेगी तथा कम उपस्थिति वाले बच्चों के अभिभावकों का विशेष ध्यान आकर्षित करते हुए बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त शिक्षा चौपाल के दौरान विद्यालय में कार्यरत उत्कृष्ट योग्यताधारी शिक्षकों, शैक्षणिक रणनीति, समय सारिणी, संदर्शिका, टीएलएम, पुस्तकालय, प्रिंट रिच सामग्री, बिग बुक्स, गणित एवं विज्ञान किट, आकलन के तरीके, रिपोर्ट कार्ड तथा खेलकूद सामग्री आदि का प्रदर्शन करते हुए अभिभावकों एवं जन समुदाय को जागरूक किया जाएगा।

आज तक नही चालू हो सका पांच साल पहले करोड़ों की लागत से बना पावर हाउस

10 एमवीए क्षमता का बिजली सब स्टेशन बना शोपीस

बांदा। जसपुरा ब्लाक के चंदवारा गांव में करोड़ों रुपए की लागत से बनाकर तैयार खड़ा 10 एमवीए क्षमता का बिजली सब स्टेशन शोपीस बना है। पांच साल पहले तत्कालीन भाजपा विधायक द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद किसी भी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने इसे चालू कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। आरोप है कि पावर हाउस में मशीनों की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार हुआ। जिससे मशीनें शुरू ही नहीं हो सकीं।

वर्ष 2019-20 में भारी-भरकम बजट से बना चंदवारा पावर हाउस भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। कमीशन खोरी के चक्कर में में ही बिजली विभाग के अधिकारियों ने आधा-अधूरा पावर हाउस टेकओवर कर लिया था। लेकिन, यह पावर हाउस पांच साल बाद भी चालू नहीं हो सका है। पावर हाउस में पांच-पांच एमवीए के दो ट्रांसफार्मर लगे हैं और इससे 50 हजार से ज्यादा आबादी को विद्युत आपूर्ति होनी है। इस पावर हाउस के शुरू हो जाने से संबद्ध 10 से 15 गांवों के उपभोक्ताओं को ओवरलोडिंग और फाल्ट से मुक्ति मिलेगी। विभागीय लोगों की मानें तो भवन समेत अन्य कार्यों के पूरा हुए बगैर ही विभागीय अधिकारियों ने पांच साल पहले पावर हाउस को टेकओवर कर लिया था। लेकिन, अधिकारी पावर हाउस की लाइनें चालू नहीं कर सके। किसान नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले के मुताबिक इटावा की एक कंपनी ने पावर हाउस का निर्माण करवाया था। तत्कालीन भाजपा विधायक बृजेश प्रजापति ने सब स्टेशन का उद्घाटन किया था। उद्घाटन के बाद क्षेत्रीय लोगों को भरपूर बिजली मिलने की आस जगी थी। पांच साल बीतने के बाद लोगों की उम्मीदों पर पानी फिर गया। किसी भी जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने इसे चालू कराने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। बताया कि पांच दिन पहले मामूली बारिश के बाद विद्युत लाइन में फाल्ट आने की वजह से चंदवारा समेत इछावर, गौरी खुर्द, नरौली, बड़ागांव, पिपरोदर, सबादा, महाबरा, अदरी आदि गांवों के लोग पांच दिनों तक अंधेरे में रहे।

चार करोड़ से बन रहा नया बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन

इंडोर गेम का अभ्यास करने वाले प्रशिक्षु खिलाड़ियों को प्राप्त होगी सुविधा

उन्नाव। पं. दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम के जर्जर भवन के स्थान पर अब खिलाड़ियों को जल्दी ही नए बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन में अभ्यास की सुविधा प्राप्त होगी। शासन से मिले चार करोड़ रुपए लागत से तैयार हो रहे इस भवन में चार बैडमिंटन कोर्ट उपलब्ध होंगी। साथ खिलाड़ियों को अन्य इंडोर खेलों का अभ्यास भी नवनिर्मित भवन में कराया जाएगा।

बता दें दशकों पहले बनवाया गया बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन अनुपयोगी साबित हो रहा था, जिससे खिलाड़ियों को काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा था। दुर्घटनाओं की संभावना के मद्देनजर जिला क्रीड़ा अधिकारी सहित विभिन्न इंडोर खेलों के कोच भवन के बजाए बाहर ही अभ्यास करा रहे थे। पिछले दिनों शासन ने बहुउद्देशीय भवन निर्माण के लिए चार करोड़ रुपए बजट जारी कर दिया था।

जिससे निर्माण शुरू कराए जाने के बाद अब तक करीब 50 फीसदी निर्माण पूर्ण कराया जा चुका है। नए बन रहे बहुउद्देशीय क्रीड़ा भवन में बैडमिंटन की चार स्थाई कोर्ट संचालित होंगी, जहां नियमित खिलाड़ियों को अभ्यास की सुविधा प्राप्त होगी। कोई प्रतियोगिता कराए जाने पर दो अतिरिक्त कोर्ट का इस्तेमाल भी किया जा सकेगा।

इसके अलावा जूडो-कराटे व खोखा सहित कई अन्य इंडोर गेम भी इसी बनकर तैयार होने वाले भवन में कराए जाएंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी कल्पना कमल ने बताया कि फिलहाल स्टेडियम में बैडमिंटन का संचालन नहीं हो रहा है, लेकिन भवन निर्माण के बाद बहुत संभावना है कि निदेशालय से कोच की तैनाती कर दी जाएगी। फिलहाल जिला खेल कार्यालय की ओर से खिलाड़ियों को इंडोर गेम में शामिल ताइक्कांडो व जूडो का ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

नैनी जेल में बंदी ने नहीं किया काम तो नंबरदार ने तोड़ दिया हाथ!

प्रयागराज। कारागार में बंदियों को सुधारने का प्रयास किया जाता है। यहां बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार कर उनके आचरण में सुधार लाया जाता है, लेकिन शायद यह सिर्फ सुनने में ही अच्छा लगता है। प्रदेश की प्रयागराज नैनी सेंट्रल जेल की शाखा जिला जेल में एक बंदी का हाथ तोड़ने का मामला सामने आया है। जहां बंदी के काम न करने पर वहां के नंबरदार ने बंदी का हाथ तोड़ दिया। इस बात की जानकारी तब हुई जब बंदी के परिजन उससे मुलाकात करने नैनी जिला जेल पहुंचे। मुलाकात के बाद बंदी की मां जेल के बाहर बैठकर बेटे के दर्द को लेकर बिलखती रही।

नैनी जिला जेल में बीते डेढ़ माह पहले मांडा थाने के मिश्रपुर गांव का रहने वाले रवि पुत्र छयबर नाथ (19) वर्ष छेड़खानी के मामले में जेल भेज दिया गया था। वह डेढ़ महीने से जिला जेल में बंद है। गुरुवार को उसकी मां शांती देवी और बहन संजू उससे मुलाकात करने के लिए नैनी जिला जेल पहुंचे थे। जहां दूसरी शिफ्ट में मुलाकात कर बाहर आने के बाद मां शांती फूट फूट कर रोने लगी।

वर्जन-

जेल मे किसी बंदी को नहीं पीटा गया है। बंदी की मां आये दिन इसी तरह से रोती है। बंदी को पीटने की बात गलत है। अगर ऐसा है तो इसकी जानकारी की जाएगी। -शैलेन्द्र प्रताप सिंह

प्रभारी अधीक्षक, जिला कारागार, नैनी प्रयागराज।

दरोगा के भाई की हत्या के मामले में दोषी को उम्रकैद

अमरोहा। यह घटना अमरोहा के नौगांवा रोड पर हुई थी। दरअसल संभल जिले के असमौली थाना क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर नियावली निवासी स्व. भूदेव सिंह यूपी पुलिस में सिपाही थे। वह अपनी पत्नी निर्देश और बच्चों के साथ शहर में ही वासुदेव तीर्थ स्थल के पास फ्रेंड्स कॉलोनी में रहते थे। साल 2007 में उनके घर में डकैती हुई थी।

बदमाशों ने लूट का विरोध करने पर सिपाही भूदेव त्यागी को मारपीट कर घायल कर दिया था। बाद में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। आश्रित कोटे से उनकी बेटी प्रतिमा त्यागी को यूपी पुलिस में दरोगा की नौकरी मिल गई थी। प्रतिमा त्यागी की तैनाती हापुड़ नगर थाने में चल रही है। यहां घर प्रतिमा त्यागी की मां निर्देश देवी व भाई अक्षय त्यागी रहते हैं। जबकि, अरविंद नाम का एक व्यक्ति अपनी पत्नी रेनू और बच्चों के साथ उन्हीं के घर में किराये पर रहता था। 19 नवंबर 2020 की शाम अक्षय अचानक घर से लापता हो गया था। शक के आधार पर पुलिस ने अरविंद समेत तीन अन्य युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो अक्षय की हत्या करने का खुलासा हुआ।

किरायेदार अरविंद की निशानदेही पर पुलिस ने उसका शव नौगांवा सादात रोड स्थित एक टाइल्स शोरूम के पीछे बने ट्यूबवेल के पास से बरामद किया था। रुपये के लेनदेन में अक्षय की गोली मारकर हत्या की गई थी। मामले में पुलिस ने अरविंद, उसकी पत्नी रेनू, मुशाहिद उर्फ भतीजा को गिरफ्तार किया था। इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश विशेष पॉक्सो एक्ट तृतीय ईश्वर सिंह की कोर्ट में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी सहायक शासकीय अधिवक्ता संजीव चौधरी कर रहे थे। गुरुवार को कोर्ट में मामले की आखिरी सुनवाई हुई। साक्ष्य के आधार पर कोर्ट ने अरविंद को दोषी ठहराया। उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई और 60 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। उधर, दोषी की पत्नी रेनू व मुशाहिद को अदालत ने दोषमुक्त करार दिया है।

छात्र को अगवा कर पीटने का मामला

अधिवक्ता के आगे नतमस्तक दिखी पुलिस, थाने में कुर्सी पर बैठे रहे दोनों आरोपी

समाज का साथी

कानपुर। कानपुर में बिठूर इलाके में डी फार्मा छात्र को पीटने के आरोपी अधिवक्ता के पुलिस थाने से दो वीडियो सामने आए हैं। पहले में वह कुर्सी पर फर्राटा पंखा के सामने आराम से पैर-पर-पैर चढ़ाए बैठा है। सामने पुलिस वाले खड़े हैं। दूसरे में वह थाने से निकल कर साथी वकीलों और करीबियों को कुछ बता रहा है।

अधिवक्ता ने शुक्रवार शाम अपनी नाबालिग बेटी के साथ नाबालिग छात्र को ईश्वरीगंज क्षेत्र में कोल्ड ड्रिंक पीते देखा। इस पर आपा खोए अधिवक्ता ने छात्र को अगवा कर बिठूर के चिरान गांव में एक फार्म हाउस में बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा। मामला बढ़ा तो अधिवक्ता ब्रजनारायन निषाद और बड़े भाई तेजनारायन निषाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। इसके बाद थाने के दो वीडियो सामने आए।

पुलिस ने आरोपी की पत्नी को हिरासत से छोड़ा

बिठूर थाने के बाहर वकीलों का झुंड था। पुलिस पर दबाव बनाने के लिए भारी संख्या में महिलाओं को भी लाया गया था। कई गांव के प्रधान भी आरोपियों की पैरवी करने के लिए यहां आए थे। अधिवक्ताओं के दबाव को देखते हुए पुलिस ने आरोपी बृज नारायण की पत्नी को हिरासत से छोड़ दिया। थाने के अंदर आरोपी अधिवक्ता बृजनारायण और उसका भाई तेज नारायण कुर्सी पर बैठे दिखे। हवा के लिए उनके सामने फर्राटा पंखा लगाया गया था। आरोपी थाने के अंदर फोन पर बात करके अपने मामले को बराबर करने की कोशिश कर रहा था। बाहर निकलकर अपने साथी वकीलों और करीबियों को निर्देश दे रहा था। केस में आठ आरोपी शामिल थे, लेकिन अभी तक अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई।

मां बोली- हमारे लड़के को उनकी लड़की ले जा रही थी

बेटे पर छेड़खानी के आरोप के सवाल पर छात्र की मां ने कहा कि पांच लाख फिरौती मांग रहे थे। तब छेड़खानी का कोई मामला नहीं था। अब एफआईआर दर्ज हो गई तो अपनी बेटी से छेड़खानी का आरोप लगवा रहे हैं। हम तो यह कहेंगे कि हमारे लड़के को तुम्हारी लड़की लिए जा रही थी।

छात्र की हालत गंभीर

पिटाई से गंभीर रूप से घायल छात्र हैलट के आईसीयू में भर्ती है। इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया- छात्र स्थिर है। शरीर पर कोई ऐसा अंग नहीं जहां पर चोट के निशान नहीं हैं। पूरा शरीर पिटाई से काला पड़ा हुआ है। छात्र को आईसीयू में रखा गया है। फिलहाल पूरे शरीर का सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड समेत अन्य सभी जांचें कराई गई हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर इलाज किया जा रहा है।

तीन लाइसेंसी असलहा रखने वालों पर दर्ज होगा मुकदमा

यूपी में दो से ज्यादा असलहा लाइसेंस रखना अवैध: डीएम

टीम गठित की गई

डीएम ने कोर्ट में आदेश करने के बाद पूरे जिले में तीन लाइसेंस रखने वालों की सूचना तलब की है। उनके नाम, पते और पिता के नाम को निकलवाया जा रहा है। इसको लेकर एसीएम सप्तम सुरेंद्र बहादुर के नेतृत्व में टीम को लगाया गया है। उनकी लिस्टिंग होने के बाद पूरी जानकारी पुलिस कमिश्नर को भेजी जाएगी।

समाज का साथी

कानपुर। तीन असलहा रखने वालों पर अब प्रशासन सख्त कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। डीएम कोर्ट ने एक मामले में के तीनों लाइसेंस को निरस्त करके आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। फिलहाल जिले में 100 से ज्यादा लोग तीन से ज्यादा असलहे रखे हुए हैं। डीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि दो से ज्यादा असलहा लाइसेंस रखना अवैध है। लोगों को अपना एक लाइसेंस जमा करना था, कई ने जमा नहीं किया है। इसलिए पुलिस कमिश्नर को पत्र भेजकर ऐसे सभी असलहों को जमा कराकर निरस्तीकरण की रिपोर्ट मांगी है।

शासन ने 2021 में तीन असलहा लाइसेंस रखने वालों को स्वेच्छा से एक लाइसेंस सरेंडर करने का आदेश दिया था। कोई भी व्यक्ति सिर्फ दो ही असलहा लाइसेंस रख सकता है। इसके लिए लगभग सभी तीन लाइसेंसधारियों को नोटिस भेजकर एक असलहा जमा कराने का नोटिस भी जारी किया था। बावजूद शहर में 100 से ज्यादा लोगों ने अपना तीसरा लाइसेंस जमा नहीं किया है। अब ऐसे मामले डीएम कोर्ट में आने शुरू हो गए हैं।

किदवई नगर पुलिस ने शिवशंकर के खिलाफ असलहा लाइसेंस निरस्त करने की रिपोर्ट डीएम कोर्ट को भेजी थी। जिस पर उनका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था।

उनके पास भी तीन असलहा लाइसेंस थे। डीएम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए शिवशंकर के तीनों लाइसेंस को निरस्त करके उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। उसी के बाद डीएम ने अन्य के लाइसेंस की जांच शुरू करा दी।

मोतीझील से लेकर नयागंज स्टेशन तक मेट्रो का ट्रायल होगा जल्द

समाज का साथी

कानपुर। कानपुर मेट्रो अपने पहले कॉरिडोर में जल्द मोतीझील से आगे दौड़ती नजर आयेगी। 4 किमी. अंडरग्राउंड सेक्शन में ट्रायल रन की तैयारी तेज कर दी गई है। चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा और नयागंज मेट्रो स्टेशन तक सिग्नल इंस्टॉल और सिग्नल फील्ड टेस्टिंग का काम लगभग पूरा कर लिया गया है।8 में से 7 सिग्नल लगाने का काम भी पूरा कर लिया है। अब जल्द ही मोतीझील से आगे चुन्नीगंज से नयागंज तक अंडरग्राउंड स्टेशन पर मेट्रो का ट्रायल रन शुरू होगा। आईआईटी से मोतीझील सेक्शन के बाद पड़ने वाले चुन्नीगंज से नयागंज अंडरग्राउंड सेक्शन में सिविल निर्माण कार्य के साथ-साथ सिस्टम इंस्टॉलेशन का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है ।सेक्शन में सिग्नलिंग प्रणाली के टेस्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। चुन्नीगंज-नयागंज सेक्शन में टनल निर्माण कार्य इस साल मार्च में पूरा किया गया था। अब इस सेक्शन के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर टेक्निकल रूम के अलावा टनल वेंटिलेशन सिस्टम, एंवॉयरमेंट कंट्रोल सिस्टम, सिग्नलिंग सिस्टम का कार्य भी इंस्टॉल करने की अंतिम चरण में है।

सिग्नल इंस्टॉल करने के साथ ही सिग्नलिंग प्रणाली के टेस्टिंग की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पार्शियल एक्सेपटेंस टेस्ट किया जा रहा है। इस परीक्षण में सिग्नलिंग से जुड़े विभिन्न उपकरणों जैसे सिग्नल, एंटीना आदि को अलग-अलग चलाकर देखा जाता है। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद सिस्टम एक्सेपटेंस टेस्ट किया जाएगा, जहां ट्रेन को इस सिग्नलिंग सिस्टम के अनुसार चलाकर देखा जाएगा ।मेट्रो ट्रैक के मेनलाइन पर लगे सिग्नलों में तीन रंग होते हैं। लाल, बैंगनी (वॉयलेट) और हरा। लाल रंग, ट्रेन को रुकने का संकेत देता है, जबकि बैंगनी रंग का सिग्नल होने पर ट्रेन को एक निर्धारित गति सीमा पर आगे बढ़ने की अनुमति होती है। हरा रंग, आगे का रूट पूरी तरह से क्लियर होने का संकेत देता है।

घंटाघर के होटलों में हो रहे 'कांड'

समाज का साथी

कानपुर। घंटाघर के आसपास के कई होटल देह व्यापार के बड़े अड्डे बन चुके हैं। लगातार होटलों की आ रही शिकायतो को लेकर डीसीपी पूर्वी ने सर्किल कलक्टरगंज क्षेत्र के होटलो में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग अभियान के दौरान होटलों के रजिस्टर चेक किए गए। वहीं, होटल संचालकों को हिदायत दी गई की नाबालिक जोड़ों को रूम मुहया ना कराया जाए और जिनको रूम दिया जाए उनकी आईडी ले कर एंट्री रजिस्टर में एंट्री की जाये और साथ हीं ये भी कहा कि अगर किसी तरह की कोई भी कमी पाई गई तो होटल संचालक पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाएगी। वहीं चेकिंग अभियान के दौरान हरबंश मोहाल कलक्टरगंज सहित कई थानों का फोर्स मौके पर मौजूद रहा।

रोम में होने वाली टेबल टेनिस चैंपियनयनशिप में भाग लेगा भारत

6 जुलाई से 14 जुलाई तक रोम में होने वाली है वर्ल्ड मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप

समाज का साथी

कानपुर। अन्तराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी एवं विजेता व यू पी टी टी एसोसिएसन के अध्यक्ष संजीव पाठक एवं अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस स्वर्ण पदक विजेता व महिला आयोग की अध्यक्ष गीता टण्डन कपूर 6 जुलाई से 14 जुलाई तक रोम मे होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में भाग लेगी संजीव पाठक ने यू पी टेबल टेनिस को एक नया आयाम दिया है और यहाँ के युवाओ को प्रशिक्षित किया है तथा उन्हे नई दिशा प्रदान की हैं। गीता टण्डन कपूर ने देश के लिए कई स्वर्ण पदक जीते हैं अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए खेल जगत में उन्होंने अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए कानपुर शहर, प्रदेश, एवं देश का नाम रोशन किया है। गीता टण्डन कपूर आयकर विभाग में अधिकारी है। उन्होंने समाज के लिए खासकर महिलाओ एवं गरीब बच्चो की सहायता की है तथा उन्हे स्वालम्बी बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई है।

वर्ल्ड मास्टर टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए एवं उसमें सफल होने की कामना करने वालों के लगातार संदेश आ रहे हैं जिसमें प्रमुख रूप से आयकर विभाग के अधिकारी, दादानगर कोऑपरेटिव इस्टेट के चेयरमैन विजय कपूर, संजय टंडन, आशीष कपूर, सुनील सिंह, अनुराग जायसवाल, अवनीश इत्यादि लोग शामिल हैं।

लघु सिंचाई विभाग में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को किया सम्मानित

बोरिंग टेक्नीशियन एसोसिएशन ने किया सम्मानित

समाज का साथी

कानपुर। लघु सिंचाई विभाग प्रांगण में एसोसिएशन बोरिंग टेक्नीशियन के प्रदेश अध्यक्ष राजेश पाल व महामंत्री अरुण शुक्ला की उपस्थिति में तीन कर्मचारियों प्रेम शंकर सचान, गिरधर, प्रेम पाल यादव की अधिवर्षिता आयु पूर्ण होने पर भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के ज़िला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी ने तीनों कर्मचारियों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति का व्यवहार, आचरण व सहयोग जैसे संस्कार ही सुखद, आनन्दमय व स्वस्थ जीवन का परिचायक है।कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष उमाकांत प्रजापति ने किया।प्रमुख रूप से राजेश सिंह, डॉक्टर विजय शर्मा, अंजनी पाल, विजय सिंह आदि उपस्थित रहें।

नगर आयुक्त के बाद चीफ इंजीनियर मनीष अवस्थी का भी तबादला

- नगर निगम कानपुर में बदला निजाम, कई अफसर बदले गए
- केडीए वीसी मदन सिंह कार्यालय के पास नगर आयुक्त का अतिरिक्त चार्ज
- कानपुर में महिला सीएमओ की हुई तैनाती

समाज का साथी

कानपुर। यूपी में तबादला एक्सप्रेस तेजी से दौड रही है। नीचे से लेकर उपर तक धडाधड तबादला हो रहे हैं। नगर निगम कानपुर में नगर आयुक्त शिवशरन्नपा जीएन के बाद यहां के चीफ इंजीनियर मनीष अवस्थी का बरेली तबादला कर दिया गया। गाजियाबाद में तैनात अधिशाषी अभियंता सिविल सैयद फरीद अख्तर जैदी को पदोन्नति करके चीफ इंजीनियर बनाकर भेजा गया है। इसी तरह से एक नए वाराणसी में तैनात अपर नगर आयुक्त अनूप बाजपेई की कानपुर नगर निगम में तैनाती हुई है। इसी तरह से ज्येष्ठ लेखा परीक्षक आदर्श सरोज को कानपुर से प्रयागराज, विजयकृष्ण को झांसी भेजा गया है। लेखा परीक्षक पप्पू सिंह धारू को नगर निगम लखनउ भेजा गया है। वहीं, कई और लोगों के तबादला किए जाने की अटकलें हैं। हालांकि, नगर निगम कानपुर में अपर आयुक्त की भरमार हो गई है। अधिकारियों के बैठने के लिए कक्ष तक नहीं बचे हैं।

केडीए वीसी के पास नगर आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार

शिवशरन्नपा जीएन को चित्रकूट जिले का डीएम बनाए जाने के बाद यहां पर अभी तक किसी की तैनाती नहीं दी गई है। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्यालय को अतिरिक्त चार्ज नगर आयुक्त का दिया गया है। उन्होने शनिवार को कामकाज भी संभाला लिया लेकिन अभी नगर निगम नहीं गए। वहीं, बताया जा रहा है कि यहां पर जल्द ही किसी नए नगर आयुक्त को तैनात कर दिया जाएगा।

समाज का साथी -स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शाहनाज परवीन मुस्तफाई प्रेस 96/72 केनालगंज, कानपुर से मुद्रित तथा 14/80, सिविल लाइन, कानपुर से प्रकाशित
आर.एन.आई. नं. RNI-UPHIN/ 2021/86952,
सम्पादक मो0 वहीद 7571088215 विधि सलाहकार धीरज कुमार वर्मा -एडवोकेट मो0:-8960772900 लेखों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है।समस्त विवाद प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर कानपुर न्यायालय में मान्य होंगे।